भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2149
उत्तर देने की तारीख-09/12/2024

राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र दिल्ली में केंद्रीय विद्यालय

2149.श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी:

□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□:

(□(गत पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में स्थापित केंद्रीय विद्यालयों (केवी) की स्थान-वार संख्या कितनी है;
(ख) क्या गत पांच वर्षों के दौरान इन केंद्रीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या में कमी आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) शैक्षणिक वर्ग 2025-26 और 2026-27 के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में स्थापित किए जाने के लिए प्रस्तावित केवी की संख्या कितनी है?

□□□□□

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख): □□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ (□□.वि.सं) □□ □□□□□□□ जानकारी □□ □□□□□□, 01 □□□□□□□□□ □□□□□□□□ (□□वि) □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□वि, राष्ट्रपति □□□□□□, □□ □□□□□□ को □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ दिल्ली □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ और वर्तमान □□□□ □□ □□□□□ □□ □□.वि. □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□ □□, □□ □□□□□□□□□□□ □□:

□□□□□□□□ □□□□	□□□□□□□ □□ □□□□□□□
2019-20	933
2020-21	1328
2021-22	1341
2022-23	1353
2023-24	1370
2024-25 (30.09.2024 की स्थिति के अनुसार)	1453

(ग): □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□ केंद्रीय विद्यालय पूरे देश में शिक्षा का एक समान कार्यक्रम प्रदान करने के लिए मुख्य रूप से रक्षा एवं अर्धसैन्य कर्मियों, केंद्रीय स्वायत्त निकायों, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और केंद्रीय उच्चतर शिक्षा संस्थान (आईएचएल) सहित स्थानांतरित होने वाले केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खोले गए हैं। नए केन्द्रीय विद्यालय खोलने के प्रस्ताव भारत सरकार के मंत्रालयों या विभागों/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) प्रशासनों द्वारा प्रायोजित किए जा सकते हैं, जिसमें मानदंडों के अनुसार नए केन्द्रीय विद्यालय

की स्थापना के लिए भूमि और अस्थायी आवास सहित अपेक्षित संसाधन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता शामिल होगी। □□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□

*****